

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

सेवा में,

निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
भवाली, नैनीताल ।

संख्या-

/XXXVI(1)-एक/07-563/2001

न्याय अनुभाग : 1

देहरादून : दिनांक : 15 फरवरी, 2007

विषय: उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली नैनीताल के लिये सृजित अस्थायी पदों की निरन्तरता ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या- 1-एक(10)/XXXVI(1)/2006-563/01 दिनांक 21 फरवरी, 2006 एवं शासनादेश संख्या-2-एक(10)/XXXVI(1)/2006-563/01 दिनांक 21 फरवरी, 2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली नैनीताल के लिये अस्थायी रूप से सृजित सभी पदों की निरन्तरता वर्तमान शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन यदि के बिना पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जायें, दिनांक 1-3-2007 से 29-2-2008 तक बढ़ाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं । उक्त पदों का सृजन मूल रूप में शासनादेश संख्या- 1-एक(10)/छत्तीस(1)/न्या०अनु०/2004 दिनांक 26-10-2004 एवं शासनादेश संख्या-1-एक(10)/छत्तीस(1)/ 2005-563/01, दिनांक 31-10-2005 द्वारा किया गया था ।

2. उक्त पर होने वाला व्यय आगामी वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या- 04 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-09-उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जावेगा ।

3. यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-1-1270/76-दस, दिनांक 20 जुलाई, 1968 संप्रति कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-2-877/दस-92-24(8)/92, दिनांक 7-11-92, (यथा उत्तराखण्ड राज्य में प्रवृत्त), द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधित्व किये गये अधिकारों के अन्तर्गत प्रसारित किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव,

संख्या-17(1)/XXXVI(1)-एक/07-563/01, 2006तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवम् इकदारी) उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- महानिबन्धक, मा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5/नियुक्ति अनुभाग/एन०आई०सी०/गाईड फाईल ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव